

# डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 25, भाग 3

## 2 राजा 15-16, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

आहाज, यहूदा का राजा। हमने उसके बारे में एक पूरा अध्याय लिखा है। उसने करीब 20 साल तक राज किया।

उज्जियाह ने 52 साल तक शासन किया और उसे 7 पद मिले, जबकि आहाज को 20 पद मिले। हम्म, मुझे आश्चर्य है कि ऐसा क्यों हुआ।

मुझे आश्चर्य है कि हम इससे क्या निष्कर्ष निकालें। तो, जैसा कि आपके चार्ट से पता चलता है, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि 735 में, आहाज को अपने पिता योताम पर एक सह-शासक के रूप में मजबूर किया गया था। लगभग निश्चित रूप से, यह उस बिंदु पर है जब पेकाह और रेजान सेनाएँ, ओह, उस तरह से नहीं, यहूदा के खिलाफ दक्षिण में आईं।

और बहुत संभव है कि आहाज को योताम पर इन घटनाओं के कारण ही मजबूर किया गया हो। इसलिए, यशायाह हमें बताता है कि दाऊद का घराना भयभीत था। तो, आप क्या करते हैं? आहाज, आपके पास उत्तर से ये दो राजा हैं जो आ रहे हैं और जो जाहिर तौर पर दाऊद के राजवंश को खत्म करने जा रहे हैं।

वे योताम और आहाज को सिंहासन से उतारकर अपने आदमी को सिंहासन पर बिठाने जा रहे हैं। वाह, हम क्या करने जा रहे हैं? उसने वह नहीं किया जो उसके परमेश्वर यहोवा की नज़र में सही था। यह 16.2 है। उसने इस्राएल के राजाओं के तरीकों का अनुसरण किया और यहाँ तक कि अपने बेटे को आग में बलिदान कर दिया।

वह उन राष्ट्रों के घृणित कामों में लगा हुआ था जिन्हें यहोवा ने इस्राएलियों के सामने से खदेड़ दिया था। उसने पहाड़ियों की चोटियों पर ऊँचे स्थानों पर और हर फैले हुए पेड़ के नीचे बलि चढ़ाई और धूप जलाया।

हे भगवान। क्या हम वास्तव में उस जगह पर आ गए हैं जहाँ चौथा बोर्ड पहले बोर्ड से एक इंच छोटा है? जैसा कि हमें यहूदा के राजाओं के माध्यम से बताया गया है कि उन्होंने ऊँचे स्थानों को नहीं हटाया। अब जैसा कि मैंने तर्क दिया है, मुझे लगता है कि यहूदा के अच्छे राजाओं के लिए यह इंगित करता है कि इन ऊँचे स्थानों पर यहोवा की पूजा की जाती थी, न कि मूर्ति देवताओं की।

लेकिन अब आहाज ने इन जगहों पर मूर्ति पूजा को फिर से स्थापित कर दिया है। एक बार फिर, यह विभाजित दिल का सवाल है। अगर उन्होंने वास्तव में व्यवस्थाविवरण पर ध्यान दिया होता, तो वे उन ऊँचे स्थानों से छुटकारा पा लेते।

और आहाज के पास पूजा करने के लिए कोई उच्च स्थान नहीं होता। तो यहाँ आप अपने अस्तित्व को खतरे में डालकर खड़े हैं। आप क्या करते हैं? आप बुतपरस्त हो जाते हैं। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका को देखता हूँ, और प्रभु अपनी बाहें फैलाए खड़े हैं, और हम कहते हैं नहीं।

नहीं, मैं इस ईश्वर और उस ईश्वर और दूसरे ईश्वर की कोशिश करूँगा। बड़ा नीला राष्ट्र मुझे बचाएगा। इसलिए, श्लोक 7 में, आहाज ने अशशूर के राजा तिग्लत-पिलेसर को यह कहने के लिए दूत भेजे, मैं आपका सेवक और जागीरदार हूँ। ऊपर आओ और मुझे अराम के राजा और इस्राएल के राजा के हाथ से बचाओ जो मुझ पर हमला कर रहे हैं।

और आहाज ने राजमहल के खजाने में यहोवा के मंदिर में पाया गया चाँदी और सोना लिया और उसे अशशूर के राजा को उपहार के रूप में भेज दिया। मैंने अक्सर कहा है कि यह तीन चूहों के बीच लड़ाई की तरह है, और उनमें से एक ने बिल्ली को काम पर रखा है। वह तुम्हारा दोस्त आहाज नहीं है।

मुझे उम्मीद है कि स्वर्ग में तुरंत रिप्ले होंगे। मैं इसे देखना चाहता हूँ। यहाँ एक आदमी आता है, तिग्लथ-पिलेसर के दरबार में संदेशवाहक, और वह कहता है, ठीक है, यहूदा में वह छोटा राजा, आपको सीरिया और इज़राइल पर हमला करने के लिए एक राजा की फिरौती भेज रहा है।

और तिग्लथ-पिलेसर ने क्या कहा? क्या वह मुझे वह करने के लिए पैसे देगा जो मैं वैसे भी करने की योजना बना रहा था? चेक भुनाओ, चेक भुनाओ। हाँ। वह भगवान पर भरोसा करने से पहले अपने सबसे बुरे दुश्मन पर भरोसा करेगा।

बेशक, यही बात हम यशायाह अध्याय 7 में पाते हैं जब यशायाह जल-संग्रह के पास आहाज से मिलता है और कहता है कि प्रभु पर भरोसा रखो। स्वर्ग जितना ऊँचा या नरक जितना गहरा कोई चिन्ह मांगो। और आहाज ने कहा कि ओह, मैं प्रभु की परीक्षा नहीं लेना चाहता।

धर्मनिष्ठा अविश्वास को छिपाने का एक बेहतरीन तरीका है। तो, इसका आप और मुझसे क्या संबंध है? आइए प्राचीन इतिहास के बारे में बात करना बंद करें। हम पादरी के साथ हमेशा ऐसा ही देखते हैं।

यह अविश्वसनीय है। भगवान के स्थान पर अपने सबसे बड़े दुश्मन पर भरोसा करें। हमारा सबसे बड़ा दुश्मन कौन है? नंबर एक, नंबर एक।

मैं अपना ख्याल रख सकता हूँ। मैं अपने लक्ष्य पूरे कर सकता हूँ। अगर आप सपने देख सकते हैं, तो आप उसे पूरा भी कर सकते हैं।

हम किस दूसरे दुश्मन पर भरोसा करते हैं? पैसा, पैसा। अब, मैं इस अद्भुत भूमि पर रहने के लिए भगवान का बहुत आभारी हूँ, जिसने मुझे और हमारी उम्र में करने के लिए आराम से रहना संभव बनाया है। धन्यवाद।

लेकिन आखिरकार, यह भगवान का काम है। और अगर हम उस छतरी में छेद कर देते हैं जो 200 सालों से हमारे ऊपर है, तो हमें तब बहुत आश्चर्य नहीं होना चाहिए जब हम भीगने लगें। और क्या? मैं खुद, मेरा पैसा।

और क्या? भगवान के बजाय हम जिन दुश्मनों पर भरोसा करते हैं। राजनीतिक शुद्धता। दोस्त।

संस्थाओं पर भरोसा करना। कुछ भी जो हमारे डर को कम कर दे। हाँ, हाँ, हाँ।

कैरन और मैं अभी बर्लिन के बाहरी इलाके में एक घर के बारे में एक किताब पढ़ रहे हैं और 1890 से लेकर अब तक सौ सालों में उस घर के इतिहास और वहाँ रहने वाले लोगों के बारे में बता रहे हैं। और बेशक, यह जर्मनी का इतिहास है। लेकिन यह वास्तव में थोड़ा परेशान करने वाला है क्योंकि, फिर से, मैं उन लोगों के साथ बहुत सी समानताएँ देखता हूँ जो डर गए थे और एक तानाशाह को वोट दिया था जो उनकी देखभाल करेगा, जो उनकी रक्षा करेगा।

तो फिर आहाज ने क्या किया? श्लोक 10. वह अशूर के राजा तिगलत-पिलेसर से मिलने दमिश्क गया। और हाँ, 732 में तिगलत-पिलेसर ने दमिश्क को नष्ट कर दिया।

यह यशायाह की भविष्यवाणी का हिस्सा था। उसने कहा कि अगर आज कोई बच्चा पैदा होता है, तो इससे पहले कि वह कहे, माँ और पापा, ये दो राष्ट्र जिनसे आप इतने डरे हुए हैं, खत्म हो जाएँगे। ऐसा करने के लिए आपको तिगलथ-पिलेसर को कोई पैसा भेजने की ज़रूरत नहीं है।

तो, तिगलथ-पिलेसर ने दमिश्क पर कब्ज़ा कर लिया है, और आहाज उससे मिलने जाता है। आहाज वहाँ क्या देखता है? एक वेदी। कहानी दिलचस्प है।

उसने पुजारी ऊरिय्याह को वेदी का एक रेखाचित्र भेजा जिसमें इसके निर्माण की विस्तृत योजनाएँ थीं। और यहाँ मंदिर से संबंधित उसके बाद की घटनाओं के बारे में 10 अन्य आयतें हैं। अब, आपको क्या लगता है कि यहाँ क्या हो रहा है? कथाकार इस कार्य पर इतना ध्यान क्यों देता है? आहाज ने ऐसा क्यों किया? वह दमिश्क में तिगलत-पिलेसर से मिलने जाता है।

वह वहाँ एक वेदी देखता है। और वह कहता है कि हमें भी अपने घर पर ऐसी ही एक वेदी बनानी चाहिए। क्यों? बिल्कुल, बिल्कुल।

ओह, ठीक है, तिगलथ-पाइलसर दुनिया को जीत रहा है। तो, उसने यहाँ कुछ पता लगा लिया है। इसलिए, हमें घर पर भी कुछ चाहिए।

उसने कोई मूर्ति नहीं बनाई है। मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है। लेकिन उसने क्या किया है? वह इस विचार की पूजा कर रहा है कि अनुष्ठान से जादुई परिणाम मिल सकते हैं।

अगर मैं इस तरह का धार्मिक, आध्यात्मिक, कोई भी काम करता हूँ, तो मुझे वह मिल सकता है जो मैं चाहता हूँ। हमारे घर पर जो अनुष्ठान हम कर रहे हैं, वे हमारे लिए बहुत कारगर नहीं रहे हैं। इसलिए, हम कुछ नए अनुष्ठान करेंगे जो उद्देश्य को पूरा करेंगे।

क्या समस्या अनुष्ठानों में है? नहीं, समस्या उस हृदय में है जिसके साथ आप अनुष्ठान कर रहे हैं। मैंने इस बारे में पहले भी बात की है, और जब तक आप मेरे साथ बने रहेंगे, आप इसे फिर से सुनेंगे। लेकिन यह बाइबल और उपासना के प्रति इसके दृष्टिकोण में बहुत महत्वपूर्ण है।

एक तरफ, पूजा के प्रतीकों का दिल के बिना कोई मतलब नहीं है। अगर आपका दिल सही नहीं है, अगर आपका दिल उससे संबंधित नहीं है, तो आप इन पूजा-पाठ की चीजों को तब तक कर सकते हैं जब तक कि आपका चेहरा नीला न हो जाए, और वे आपके लिए कुछ भी नहीं करने वाले हैं। तो, फिर, प्रवृत्ति क्या है? ओह ठीक है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम क्या करते हैं।

हमारे दिल सही हैं, और भगवान कहते हैं, आप शरीर और आत्मा हैं। आपको शारीरिक रूप से यह दर्शाने की ज़रूरत है कि आपके दिल की स्थिति क्या है। और इसलिए, एक तरफ, वह कहता है और आप इसे पुस्तक में देखते हैं जैसा कि मैंने अध्याय 5 से 8 में मंदिर के उस लंबे विस्तृत विवरण के साथ उल्लेख किया है।

फिर, 2 राजा 12 में, हम देखते हैं कि योआश ने मंदिर का पुनर्निर्माण कैसे किया, इसका एक बहुत लंबा विवरण है। और यह बताने के लिए कि हम कहाँ जा रहे हैं, जब हम अध्याय 22 और 23 में योशियाह के पास पहुँचते हैं, तो हम देखेंगे कि योशियाह मंदिर का नवीनीकरण कर रहा है। और फिर अध्याय 25 में, हम देखेंगे कि मंदिर का पत्थर-दर-पत्थर विनाश हो रहा है।

और मंदिर में मौजूद सामग्रियों का बहुत सारा वर्णन वैसा ही होगा जैसा हमने यहाँ किया था। भगवान क्या कह रहे हैं? वह कह रहे हैं, अगर तुम्हारा दिल सड़ा हुआ है तो मुझे तुम्हारे प्रतीक नहीं चाहिए। इसे भूल जाओ।

मुझे इस सुनहरे घर की ज़रूरत नहीं है। लेकिन वह क्या कह रहा है? वह कह रहा है, मुझे ऐसे सुंदर प्रतीक चाहिए जो यह दर्शाएँ कि तुम मेरे साथ किस तरह के रिश्ते में हो। इसलिए प्रतीक अपने आप में कुछ हासिल नहीं करते।

लेकिन अगर हमारा दिल सच में उसका है, तो हम जिस तरह से शारीरिक और भौतिक रूप से उसे व्यक्त करते हैं, वह उसके लिए महत्वपूर्ण है। आप निर्वासन से लौटने पर इसे देख सकते हैं। लोग कह रहे हैं कि उस पुराने मंदिर ने हमारा कोई भला नहीं किया। क्या उसने किया? तो हमें इसे फिर से बनाने में समय क्यों लगाना चाहिए? यह वैसे भी उतना बड़ा नहीं होने वाला है जितना दूसरा था।

भूल जाओ। और मुझे हागै से प्यार है। वह कहता है, तुम्हें पता है कि तुम्हारी जेबों में छेद क्यों हैं? क्योंकि तुम अपना घर बना रहे हो और मेरे घर पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हो।

मेरे घर को प्यार से बनाओ और तुम पाओगे कि तुम्हारी जेबें सिल दी गई हैं। इसमें सच्चाई है। जब हम प्रचारक लोगों से कहते हैं, तुम्हें दशमांश देना चाहिए क्योंकि भगवान तुम्हें आशीर्वाद देंगे।

हमें आध्यात्मिक कदाचार के लिए जुर्माना देना चाहिए। नहीं, सर। आपको दशमांश देना चाहिए क्योंकि भगवान इतने दयालु हैं कि वे आपको अपने धन का 90% हिस्सा रखने देते हैं।

और फिर, अंदाज़ा लगाइए क्या? आप पाएंगे कि आपका पैसा और भी दूर तक जाएगा। यह बहुत ही विचित्र है। लेकिन फिर, क्या आप इसे देखते हैं? अगर मैं प्रतीकों, चीज़ों के ज़रिए भगवान को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा हूँ, तो यह काम नहीं करेगा।

दूसरी ओर, अगर मैं कहता हूँ, मैं तुमसे प्यार करता हूँ, भगवान, और यहाँ एक निकेल है। वह कहता है, तुम झूठ बोलते हो। इसलिए, मुझे लगता है कि यही कारण है कि यहाँ इतना ध्यान दिया जाता है।

यहाँ, हम मंदिर के अंतिम विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। यहाँ हम इस बात पर विश्वास करने की ओर बढ़ रहे हैं कि मैं इसे अपने तरीके से बना सकता हूँ। मैं तय करूँगा कि कौन से प्रतीक काम करेंगे।

भगवान कहते हैं, नहीं, मैं फैसला करूँगा। कोक और डोनट्स कम्यूनिकेशन के लिए काम नहीं आएंगे क्योंकि वे, हालांकि बच्चे ऐसा सोच सकते हैं, जीवन का मुख्य हिस्सा नहीं हैं। हां।

हाँ। यह 516 में खत्म हो गया। ओह, ठीक है।

यह उस विनाश से पहले की बात है। हाँ, विनाश। सोलोमन का मंदिर 586 में नष्ट कर दिया गया था।

यहेजकेल 593 और 586 के बीच इस बारे में बात कर रहा है। तो, वह इस मंदिर के बारे में बात कर रहा है, और वह कह रहा है कि दुनिया में मेरे पास उस चीज़ को संरक्षित करने का कोई कारण नहीं है। यह गंदगी से भरा हुआ है।

खैर, मैं तुम्हें जाने दूँगा। लेकिन इन दिनों, मैं लोगों को यह कहते हुए सुनता हूँ कि, ओह, महामारी ने हमें सिखाया है कि जगहें बिल्कुल भी मायने नहीं रखतीं। मैं वहाँ नहीं जा सकता।

मुझे लगता है कि जगहें मायने रखती हैं। क्या वे हमारे दिल की जगह मायने रखती हैं? बिल्कुल नहीं। लेकिन भौतिक, आध्यात्मिक प्राणियों के रूप में, हमें भौतिक चीज़ों से यह दर्शाना चाहिए कि हमारा दिल कहाँ है।

बलिदान के बारे में बुतपरस्त समझ और बलिदान के बारे में हिब्रू समझ के बीच यही अंतर है। बुतपरस्त कहते हैं, मैं यह करता हूँ, और यह अपने आप स्वर्गीय क्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त करेगा। बाइबल कहती है कि अपने जीवन पर नहीं।

तो फिर हम ऐसा क्यों करते हैं? यह दर्शाने के लिए कि आपका दिल कहाँ है। और जब आप सच में अपने दिल की बात बताते हैं, तो भगवान प्रसन्न होते हैं। उनकी घ्राण तंत्रिकाएँ मेरी तुलना में

अलग तरह से काम करती हैं क्योंकि उनका कहना है कि होमबलि उनके नथुनों में एक मीठी सुगंध है।

मैंने अभी तक कभी भी जले हुए मांस की गंध नहीं ली है जो मुझे बहुत अच्छी लगी हो। लेकिन ऐसा है। क्यों? क्योंकि उसे जली हुई भेड़ पसंद है? नहीं, क्योंकि यह पूरे दिल का प्रतिनिधित्व करता है।

क्या तुम्हें कुछ और कहना है इससे पहले कि मैं तुम्हें जाने दूँ? हाँ, हाँ। यीशु ने सामरी स्त्री से यही कहा। उसे यहाँ की परवाह नहीं है।

उसे यरूशलेम के मंदिर की कोई परवाह नहीं है। उसे यहाँ की पूजा चाहिए। हाँ, हाँ, हाँ, हाँ।

और मुझे वाकई लगता है कि यह बहुत दिलचस्प है कि सदियों से भगवान के लिए खूबसूरत जगहें बनाने की यह प्रवृत्ति रही है। अब, त्रासदी यह है कि वे मूर्तियाँ बन गई हैं। तो, ब्रिटेन की राष्ट्रीय आय का कितना हिस्सा उन गिरजाघरों को बनाए रखने में खर्च किया जाता है जहाँ कोई पूजा नहीं करता? वहाँ कुछ गड़बड़ है।

दूसरी ओर, मैं परमेश्वर के लिए कुछ सुंदर बनाना चाहता हूँ।

ठीक है, चलो प्रार्थना करते हैं।

प्रिय स्वर्गीय पिता, आपके वचन के इर्द-गिर्द इकट्ठा होने के इस अवसर के लिए धन्यवाद। ओह, हे प्रभु, हम पर दया करो। हम खुद को इन पत्रों में प्रतिबिंबित देखते हैं। हम खुद को मृत प्रतीकों की पूजा करते हुए देखते हैं।

हम खुद को अपने सबसे बुरे दुश्मनों पर भरोसा करते हुए देखते हैं। हम खुद को इस दुनिया में सुरक्षा पाने की कोशिश करते हुए देखते हैं। हे प्रभु, हम पर दया करो।

आप हमारी सुरक्षा हैं। हमारी एकमात्र सुरक्षा। हम यह बात बहुत आसानी से कह देते हैं। हमें इस पर विश्वास करना सिखाएँ। हमें इस तरह जीना सिखाएँ कि हम हर चीज़ को हल्के में ले सकें, यह जानते हुए कि हम आपको चाहते हैं, यह सब नहीं। इन भाइयों और बहनों के लिए आपका धन्यवाद।

आप जानते हैं कि आज रात हर कोई कहाँ चल रहा है। हर एक के साथ रहें। उन्हें आशीर्वाद दें। उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्हें ऊपर उठाएँ। हम प्रार्थना करते हैं कि हम सब मिलकर आपके लिए आगे बढ़ें, आपके नाम में। आमीन।